

टूटे हैं तार-दिल के
 तेरे गीत क्या गाऊँ
 इतना तो, करम कर दो मर्दानगी
 तेरे पास, मैं आऊँ

होते दुरोज हादसे
 यहाँ कोई बाम नहीं
 ये मौत से पहले चले
 इन्हें कैसे मनाऊँ

टूटे हैं -----

इतना तो -----

इंसानियत का उठ गया
 दुनियाँ से जनाजा
 तालीम इनको, दे-दो मर्दानगी
 तेरा लाल कहलाऊँ

टूटे हैं -----

इतना तो -----

सहते रहा हर दर्द को
तेरा तोफा मानकर

मैं कहती, रहम कर दो
तेरा प्यार में पाऊँ

दूटे हैं-----

इतना तो-----

आ रहा है तूफ़ान मैं

हम सबको बचाना

चरणों में तेरे हैं "श्री बाबा श्री"

मैं कहों जाऊँ

दूटे हैं-----

इतना तो-----